समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

लखनऊ : छात्र की ऑनलाइन गेम मे 14 लाख गंवाने के बाद आत्महत्या, लड़की पर पैसे का ब्लैकमेलिंग का आरोप

Sanket Morankar

Published on 20 Sep 2025

लखनऊ में एक दुखद घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। शहर के निवासी **यश नामक छात्र** ने कथित तौर पर ऑनलाइन गेम में **1.4 मिलियन रुपये** गंवाने के बाद आत्महत्या कर ली। वहीं मामले में सामने आया है कि एक लड़की ने यश से पैसे की मांग की और कथित रूप से उसे **ब्लैकमेल किया**।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और साइबर अपराध शाखा भी सक्रिय हो गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यश एक छात्र था और ऑनलाइन गेमिंग में काफी सक्रिय था। खेल की लत के कारण उसने बड़ी राशि गंवा दी। लगभग **1.4 मिलियन रुपये** (14 लाख) का नुकसान उसके लिए बेहद भारी साबित हुआ।

इसके बाद, एक लड़की ने यश को कथित रूप से धमकाना शुरू कर दिया और पैसे की मांग की। यह धमकी और आर्थिक दबाव यश के लिए मानसिक रूप से असहनीय हो गया।

आखिरकार, उसने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के तुरंत बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी।

यश के परिवार वाले इस घटना से सदमे में हैं। उन्होंने बताया कि यश **अत्यंत होशियार और पढ़ाई मे अंच्छा** था, लेकिन ऑनलाइन गेम में अचानक लत लग गई। परिवार का कहना है कि यह लत और लड़की द्वारा लगातार पैसे की मांग ने उसे इतना मानसिक दबाव दिया कि उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

पड़ोसियों ने भी बताया कि यश सामान्य व्यवहार का था और कोई बाहरी झगड़ा या पारिवारिक तनाव नहीं था।

लखनऊ पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए:

1. **साइबर सेल को सक्रिय** किया।
2. यश से जुड़े मोबाइल फोन, लैपटॉप और गेमिंग खाते की जांच शुरू की।

3. लड़की और उसके किसी भी संपर्क या ब्लैकमेलिंग से जुड़े सबूत जुटाने की प्रक्रिया शुरू की।

पुलिस अधिकारी ने कहा—
"हम सभी डिजिटल और भौतिक सबूत जुटा रहे है। किशोरों को ऑनलाइन गेमिंग और साइबर ब्लैकमेलिंग से कैसे बचाया जा सकता है, यह भी जांच का हिस्सा है।"

विशेषज्ञों का कहना है कि ऑनलाइन गेमिंग में अत्यधिक पैसा निवेश करना किशोरों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

- किशोर **साइबर गेमिंग और नकदी लेन-देन** के बीच फर्क नहीं पहचान पाते।
- बड़ी हार या पैसों की मांग से मानसिक दबाव बढ़ता है।
- समय पर परिवार और विद्यालय की मदद नहीं मिलने पर छात्र डिप्रेशन या आत्महत्या जैसा कदम उठा सकते हैं।

साइकोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि तिवारी का कहना है—
"ऑनलाइन गेमिंग मे किशोर अक्सर अपनी मानसिक क्षमता और वित्तीय समझ से बाहर चले जाते है। इसके चलते कई बार वे गलत फैसले लेते है।"

यश के मामले में लड़की द्वारा किए जाने वाले कथित ब्लैकमेलिंग की जांच पुलिस कर रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर ब्लैकमेलिंग और ऑनलाइन डर का सामना करना आज के डिजिटल दौर में गंभीर चुनौती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में:

- सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा फीचर मजबूत होना चाहिए।
- किशोरों को ऑनलाइन लेन-देन और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले **सावधान किया जाए।**
- अभिभावक और शिक्षक मानसिक और डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग रहें।

यूपी पुलिस ने चेतावनी दी है कि ऑनलाइन गेमिंग और साइबर ब्लैकमेलिंग की वजह से किशोरों में आत्महत्या के मामले बढ़ सकते हैं।

- राज्य सरकार साइबर सेल को और सक्रिय कर रही है।
- किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन और साइबर जागरूकता अभियान तेज किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी इस मामले ने **किशोरों की डिजिटल सुरक्षा** और **ऑनलाइन वित्तीय शिक्षा** की जरूरत पर प्रकाश डाला है।

- किशोरों को ऑनलाइन गेमिंग और साइबर वित्तीय लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है।
- परिवार और स्कूल को छात्रों की मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।
- साइबर अपराध और ब्लैकमेलिंग जैसी घटनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए।

यश की इस दुखद मौत ने परिवार, दोस्तों और समाज को यह संदेश दिया कि **डिजिटल सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर बराबर ध्यान देना आवश्यक है।**

लखनऊ में यश की आत्महत्या की घटना एक **गंभीर चेतावनी** है। यह दिखाती है कि ऑनलाइन गेमिंग और साइबर ब्लैकमेलिंग किशोरों की मानसिक स्थिति को कितना प्रभावित कर सकता है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और साइबर अपराध के पहलुओं को उजागर करने की कोशिश कर रही है। विशेषज्ञ और परिवार भी इस दुखद घटना से सीख लेकर **किशोरों की मानसिक और डिजिटल सुरक्षा** पर ध्यान देने का आह्वान कर रहे हैं।

यह घटना सिर्फ लखनऊ या उत्तर प्रदेश का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक **डिजिटल और मानसिक स्वास्थ्य चेतावनी** है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.